IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

कोसी क्षेत्र में कम होती लिंगानुपात की समीक्षा : एक भौगौलिक अध्ययन

1- Dr. Shambhu Kumar 2- Ranjani kumara 3-Supriya kumari
Research Scholar 4. Devvrat kumar 5. Raushan kumari 6 Prakash Kumar 7 Shalini Kumari
B.R.A. Bihar University Muzaffarpur

Abstract

भारतीय संविधान की धारा–246 के अनुसार देश की जनगणना कराने का दायित्व संध सरकार को सौंपा गया है। यह संविधान की सातवीं अनुसूची की कय–संख्या–69 पर अंकित है किसी जनसंख्या में स्त्रियों की संख्या द्वारा व्यक्त किा जाता है। जनणना–2011 के अनुसार बिहार में लिंगानुपात '918' है अर्थात 1000 पुरू"ाों पर मात्र 918 स्त्रिया है। जो रा"ट्रीय औसत 943 से 25 कम है। उसी तह कोसी क्षेत्र में लिंगानुपात मात्र 913 है जो कि बिहार के औसत लिंगानुपात से 5 कम है। लिंगानुपात के विवरण में क्षेत्री असमानताएँ देखने को मिलता है।

लिंग अनुपात किसी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था का एक सूचक है तथा प्रादेशिक विश्ले"ाणके लिए अत्यन्त लाभदायक यन्त्र है। (फ्रैंकलिन, 1956 पृ0 168)। लिंग अनुपात का प्रभाव अन्य जनसांख्यिकी तत्वों जैसे जनसंख्या वृद्धि, विवाह–दर, व्यववसायिक संरचना पर भी माना गया है।

अतः लिंग अनुपात का ज्ञान रोजगार तथा उपयोग प्रारूप तथा किसी समुदाय की सामाजिक आवश्ययकताओं को समझने के लिए आवश्यक है।

'ाब्द–कुंजी (झमलूवतक) :– जनगणना, जलवायु, लिंगानुपात, भ्रूण हत्या, शिशु लिंगानुपात

अध्ययन क्षेत्र (**Study Area**)

कोसी क्षेत्र के अन्तर्गत विभिन जिला सहरसा, सुपौल, मधेपुरा,पूर्णिया, अररिया,किशनगंज और कटिहार आते है। बिहार के उतर–पूर्वी क्षेत्र को कोसी क्षेत्र कहते है जिसमे मुख्य रूप से कोसी,महानन्दा और इनके अनेक सहायक नदिया बहती है इस क्षेत्र मे बहने बाली कोसी नदि प्रलयंकारी बाढ लाने के लिय कुख्यात है जो अपना रौद्र रूप समय–समय पर दिखाती रहती है इसने अपना रौद्र रूप हाल ही में 2003 व 2008 मे दिखा चुकी है। इस क्षेत्र के लोगो का मख्य व्यवसाय कृ"ाि हैं। बाढ के कारण इस क्षेत्र मे गरीबी के दुसचक्र चलता रहता है इस क्षेत्र मे

सामान्यतः आन्तरिक समानता देखने को मिलता है तथा इस क्षेत्र के भौगोलिक सीमा इसे एक अलग पहचान देता है इस क्षेत्र के प"िचम के सीमा कोसी नदी के द्वारा तथा दक्षिण के सीमा कोसी व गंगा नदी के द्वारा बनती है। इस क्षेत्र के पूरब मे बिहार से सटे प"िचम बंगाल की सीमा तथा उतर मे भारत व नेपाल की लगती हैं।

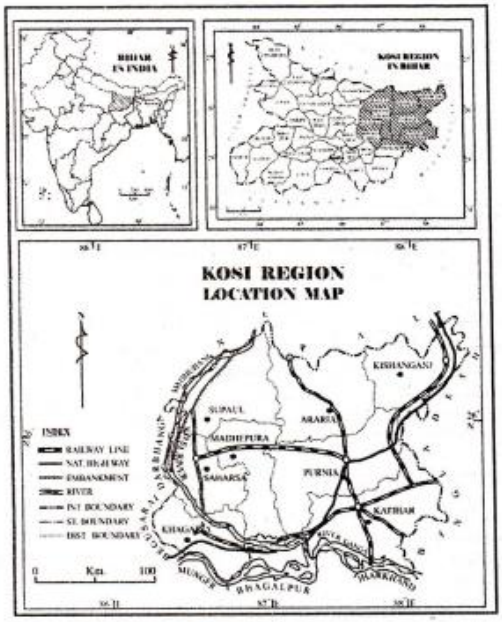

चित्र-1

उद्वे”य **(Methodology)**

प्रस्तुत भाोध के निम्नलिखित उद्वे”य निर्धारित किय गए हैं:–

- ■ कोसी प्रदे”ा मे स्त्री–पुरूश अनुपात तथा f”ा”ाु लिंगानुपात के असमान वितरण का वर्णन व व्याख्या करना।
- ■ कोसी क्षेत्र मे लिंगानुपात की जलवायु संबंधी समस्याओ का पता लगाना ।
- ■ अध्ययन क्षेत्र मे कम होती लिंगानुपात की परिवर्तन”ाील प्रवृत्तियो के कारणों का पता लगाना।
- ■ कोसी क्षेत्र के लिंगानुपात के वि”ले”ाण आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक व व्यक्तिगत अभिवृत्तियों के आधार पर करना।

‘ाोध–प्रविधि (डमजीवकवसवहल)

प्रस्तुत अध्ययन में वि”ले”ाणात्मक विधि तंत्र का प्रयोग करते हुए अध्ययन क्षेत्र कोसी प्रदे”ा की 1901 से 2011 तक के मध्य हुई जनगणना से प्राप्त आंकड़ो को एकत्रित कर दशकवार जनसंख्या लिंगानुपात मे हुई परिर्वतन”ाीलता का वि”लेशण किया गया है। तत्प”चात् ग्रामीण व नगरीय लिंगानुपात में असमानता तथा क्षेत्रीय स्तर पर भी जनसंख्या लिंगानुपात में पाई गई असमानता का वि”ले”ाण किया गया है । प्रस्तुत भाोध प्रपत्र मुख्य रूप से द्वितीयक आंकडो पर आधारित, परन्तु उचित रूप से अनुभवात्मक व अवलोकनात्मक विधितंत्रो का भी प्रयोग किया गया है। अध्ययन को वैज्ञानिक बनाने हेतु उपर्युक्त तालिका, मानचित्र तथा साख्यिंकी विधियो का प्रयोग किया गया है लिंगानुपात प्रति हजार पुरूशो पर स्त्रीयो की संख्या द्वारा व्यक्त किया गया है। जैसे लिंगानुपात = स्त्रियों की संख्या/पुरूशों की संख्या ग 1000

5. विवेचना (क्पेबनेपवदे)

जनगणना–2011 के अनुसार बिहार का औसत लिंगानुपात ‘918’ है जो कि भारत के औसत लिंगानुपात ‘943’ से ‘25’ कमि है। कोसी क्षेत्र का लिंगानुपात ‘913’ है जो बिहार के औसत लिंगानुपात से कम है। इसमें भी क्षेत्रीय भिन्नता है जो कि ‘950’ (कि”नगंज) से ‘880’ (उत्तरी भागलपुर) तक है। कोसी क्षेत्र के अन्तर्गत बिहार के नौ (9) जिले आते है जो इस प्रकार है – सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, अररिया, कि”ानगंज, पूर्णिया, कटिहार, खगड़िया, उत्तरी भागलपुरा कोसी प्रदे”ा में जनसंख्या की वृद्धि दर काफी तीव्र है। जहाँ भारत की जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर 28.7 प्रति”ात है जिसके कारण इस प्रदे”ा में जनसंख्या विस्फोट की स्थिति उत्पन्न हो चुकी है जो एक चिन्ता का विशय है।

टेबल–1

स छव	क्पेजतपबज	ज्वजंस च्वचनसंजपवद	क्मबंकंस ळतवूजी त्ंजम	मग त्ंजपवद	क्मदेपजल	बीपसक ठपतजी तंजम ;0.6द्ध	स्पजमतंबल ;पद :द्ध
1	नचंनस	22ए29ए076	28ण्66	929	919	944	57ण्67
2	ेंतें	19ए00ए661	26ण्02	906	1127	933	53ण्20
3	डंकीमचनतं	20ए01ए762	31ण्12	911	1120	930	52ण्25
4	।तंतपं	28ए11ए569	30ण्25	921	993	957	53ण्53
5	ज्ञपेीदहंदर	16ए90ए400	30ण्40	950	897	971	55ण्46
6	च्नतदपं	32ए64ए619	28ण्33	919	1005	961	52ण्24
7	ज्ञंजपींत	30ए71ए029	28ण्35	919	1005	961	52ण्24
8	ज्ञींहंतपं	16ए66ए886	30ण्19	886	1122	926	57ण्92
9	छण् ठींहंसचनत	30ए37ए766	25ण्36	880	1182	938	63ण्14
ज्ञवेीप त्महपवद			28ण्74	913	1041	946	55ण्16

वनतबम रू ब्मदेनते वƒ प्दकपं 2011 थ्पदंस क्ंजं ज्वजंसे ठपींत ̧मतपमेए 2011

जनसंख्या– वृद्धि की दर भी अलग–अलग स्थानो पर अलग–अलग है। जहाँ मधेपुरा में जनसंख्या की द”ाकीय वृद्धि दर 31.12 प्रति”ात है वही उ0 भागलपुर में 25.36 है। इस प्रदे”ा में साक्षरता का प्रति”ात भी सम्पूर्ण बिहार के औसत (61.8) से काफी कम (55.16) है। साक्षरता के वितरण मे भी क्षेत्रीय असमानता है जहाँ पूर्णिया मे मात्र 51.08 प्रति”ात लोग साक्षर है वही भागलपुर में 63.14 प्रति”ात लोग साक्षर है।

लिंगानुपात का स्थानिक वितरण

कोसी प्रदे”ा में उत्तर से दक्षिण तथा उत्तर–पूर्व से दक्षिण–पf”चम खण्ड की तरफ लिंगानुपात में अत्यधिक भिन्नता है। मानचित्र मे यह स्पश्ट है कि एक मात्र कि”ानगंज जिला में लिंगानुपात 940 से अधिक है (भ्पही मग त्ंजपवद), पूर्णिया, अररिया व सुपौल में मध्यम लिंगानुपात मिलता है जो 920 से 940 के बीच है (डवकमतंजम ̧मग त्ंजपवद (920–940) , जबकि कटिहार, मधेपुर और सहरसा में निम्न लिंगानुपात मिलता है जो 900 से 920 के बीच है (स्वू ̧मग त्ंजहपवद) । लिंगानुपात का चौथा इकाई खगड़ीया (886) व उ0 भागलपुर (880) है जहाँ लिंगानुपात 900 से भी कम है तथा यह कोसी प्रदे”ा म अति निम्न लिंगानुपात का क्षेत्र है।

मानचित्र–2

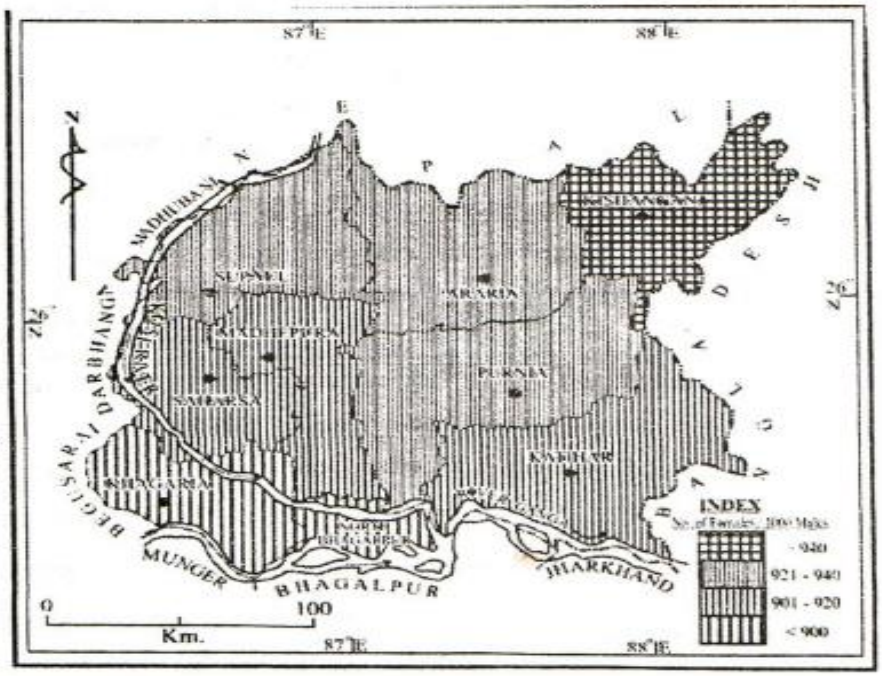

Distribution of Sex Ratio in Kosi Region

f"'''kq लिंगानुपात

यह जनसंख्या में 0–6 आयु समूह में प्रति 1000 पुरूशो की तुलना में उसी आयु समुह में स्त्रियों की संख्या है। भारत में f"'''kq लिंगानुपात, लगातार कम होता जा रहा है जो एक खतरे की घंटी हैं 2001 की जनगणना में भरत का"ब्द जहां 927 था वही जनगणना 2011 में यह घटकर 919 पर पहुँच गई। हमारे अध्ययन क्षेत्र में औसतन f"'''kq लिंगानुपात राश्टोय औसत (919) से अधिक 946 है। पिछले जनगणना से तुलना करने पर यह स्पश्ट होता है कि जहां अररिया, पूर्णिया, कटिहार, खगड़िया व उत्तरी भागलपुर में f"'''kq लिंगानुपात में कमी दर्ज की गई वही सुपौल, सहरसा मधेपुरा व कि''ानगंज जैसे जिलो में f"'''kq लिंगानुपात बढ़ा है।

f"'''kq लिंगानुपात (0–6 वर्श) = बालिकाओ की संख्या (0–6) ⁄बालको की संख्या (0–6) ग 1000

टेबल – 2

बिपसक"मग त्ंजपवद जव ज्ञवेप त्महपवद

स छव	क्पेजतपबज	2001	2011
1	नचंनस	921	94
2	ेंतें	900	933
3	डंकीमचनतं	918	930
4	।तंतपं	967	957
5	ज्ञपेंदहंदर	941	971
6	च्नतदपं	968	954
7	ज्ञंजपींत	966	961
8	ज्ञींहंतपं	942	926
9	छण् ठींहंसचनत	966	938
ज्ञवेप त्महपवद			

वनतबम रू ब्मदेने व िप्दकपं 2011ए थ्पदंस क्ंजं ज्वजंसेए ठपींत"मतपमेए 2011

चित्र संख्या– 3 कोसी क्षेत्र के अलग–अलग जिलो के f"'''kq लिंगानुपात को द''kkया गया है। खगड़िया और उत्तर भागलपुर मे 2001 की तुलना मे f"'''kq लिंगानुपात मे तीव्र गिरावट दर्ज की गई है।

चित्र संख्या–3

निश्कर्श (Conclusion)

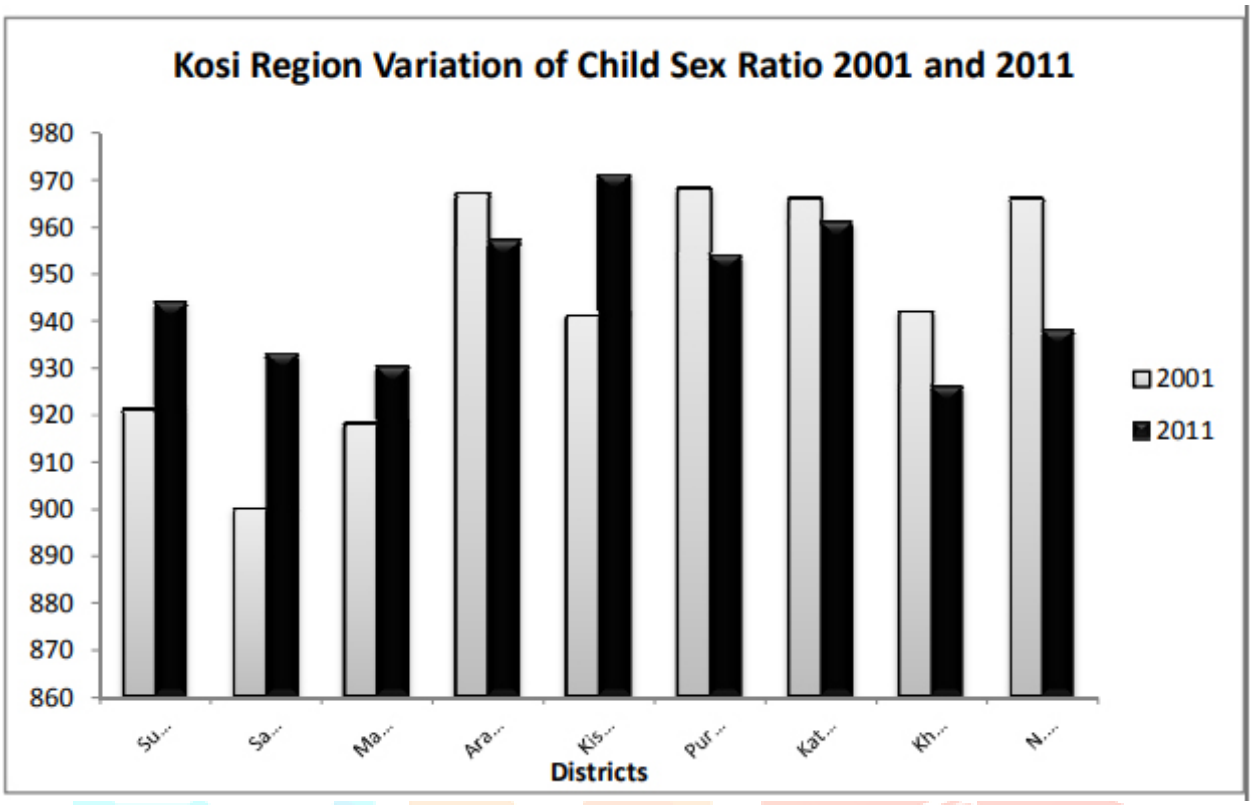

कोसी प्रदे”ा के सामान्य लिंगानुपात व ि”ा”ाु लिंगानुपात के वर्णन से हम यह निश्कर्श पर पहूंचते है िकइस प्रदे”ा मे कि”ानगंज जिला को छोड़कर बाकि सभी जिलों में लिंगानुपात राश्टोय औसत लिंगानुपात से कम है। इस प्रदे”ा के दक्षिण गंगा नदी से सटा हुआ क्षेत्र मं लिंगानुपात अति निम्न है। खगड़िया जिला व भागलपुर का नव गछिया उप विभाग (नइ.क्पअपेपवद) को इसमें रखा गया है। जनगणना 2001 की तुलना में 2011 में दक्षिणी खण्ड को छोड़कर सामान्यतः लिंगानुपात में बढ़ोत्तरी हुई है। ग्रामीण जनसंख्या की अधिकता/ नगरीकरण का निम्न स्तर, मुस्लिम जनसंख्या की बहुलता तथा निकट ही प”िचम बंगाल व बंगलादे”ा में जनसंख्या प्रवास के कारण कोसी प्रदे”ा के पूर्वी खण्ड में लिंगानुपात उच्च मिलता है।

संदर्भ सूची

1. राव आर के (2002) बुमन एवं एजुके”ान , नई दिल्ली कल्पना पब्लिके”ान ।
2. बिहार आर्थिक सर्वेक्षण (2011–12)
3. पंडित बी एवं गुप्ता ए0 के0 (2007) बिहार का भोगोलिक अध्ययन, साहित्य भवन आगरा पृश्ट सं0–106
4. गौरेट ई0 हेनरी (2005) ि”ाक्षा एवं मनोविज्ञान में सांख्यिकी, कल्याणी पब्लि”ार्स नई दिल्ली
5. जनगणना विभाग, भारत सरकार पटना 1961–2011
6. अजाउल्लाह मोहम्मद (2008) बिहार का आधुनिक भूगोल, बिलिएन्ट प्रका”ान, पटना।
7- Tiwari R.. (2006) Geography of India Allahabad Prayag Pustak Bhandar. Ahmad A (1999) Social Grography, Jaipur, Rawat Publications.
8. गौतम अलका : भारत का वृहत भूगोल, मेरठ
9. वर्मा पी0सी0 (2004) बिहार की अर्थव्यवस्था, तिरूपति प्रका”ान, पटना।
10. योजना आर्थिक सर्वेक्षण– वार्शिक प्रतिवेदन, वित्त विभाग, बिहार सरकार पटना
11. ज्पूंद त्ण्ब ;1999द्ध अधिवास भूगोल, प्रयाग पुस्तक भवन, इलाहाबाद
12. राव. बी. पी0 ;1994द्ध भारत एक भौगोलिक समीक्षा, गोरखपुर

13- Das Arijit (2010) Pattern and Determinnts of Child Se Ration in Rural Pubjab, Hill Goegrapher, Vol. svi-1 & 2, P-37.

14. Gailmoto, C.Z. (2007) Characteristics of Sex Ration Imbalance in India and Future.

15. Kaushik, S.P. (2010) : Imbalanced Sex Ration in Haryana – Trends and Social Dimension. Annals of the NAGI, VoL XXX, No.2 p. 72.